राजकुमार, रसोइया और चालाक राजा

टेरी डियर

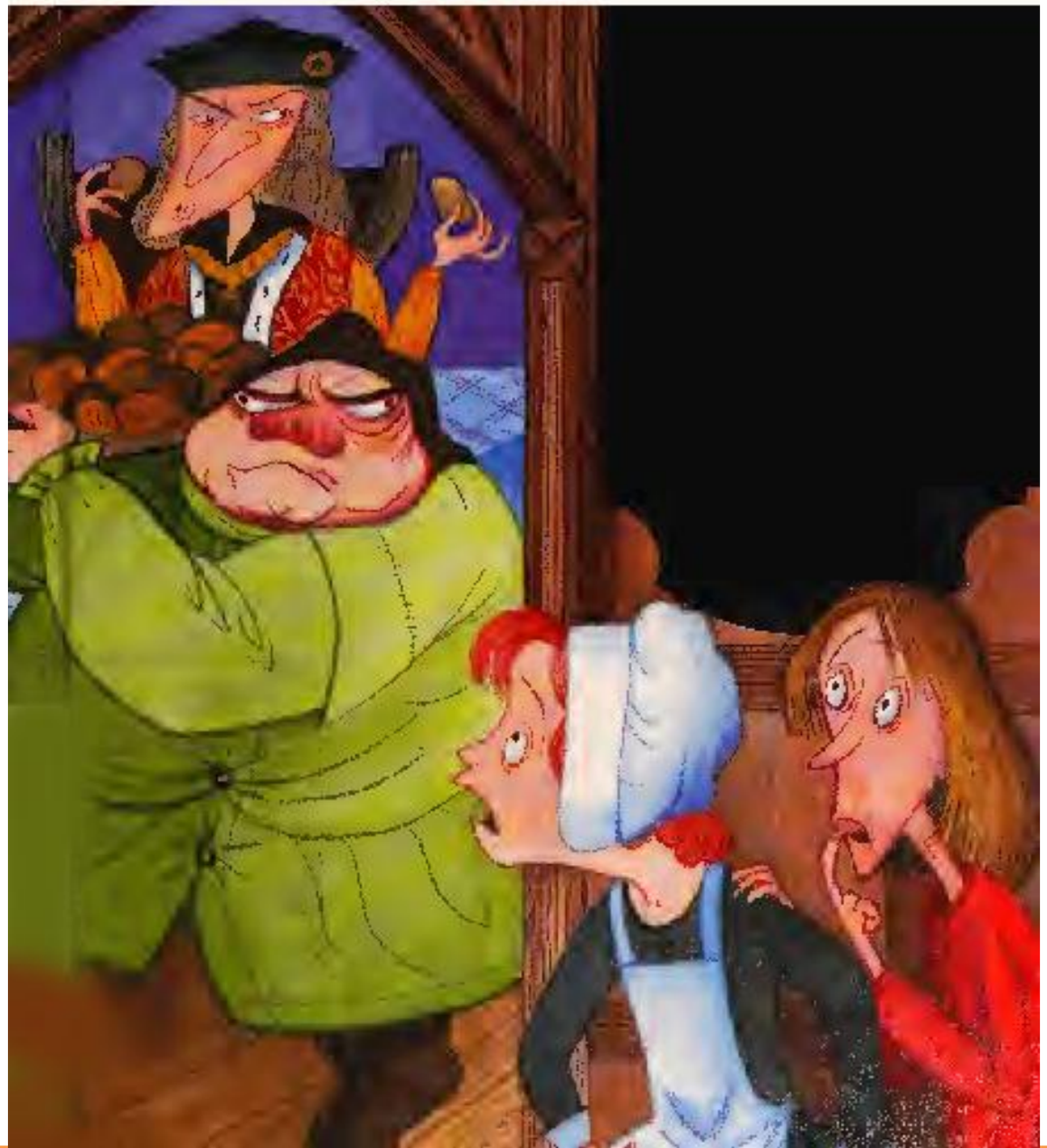

ठंडी रसोई

हम महल के दरवाजे पर खड़े होकर कांप रहे थे. सर्दी की ठंडी हवा थी, और दीवारें उदास थीं. मैं डरी हुई थी. मेरी माँ बस दूसरी बार दस्तक देने वाली थी. तभी दरवाजा खुला और मैंने खुद को महल की रसोई को घूरते हुए देखा.

एक दर्जन गंदे चेहरे मुझे घूर रहे थे. नौकर अपने-अपने लकड़ी के कटोरों के साथ एक बड़ी मेज के चारों ओर बैठे थे.

"दरवाजा बंद करो! " कोई ज़ोर से चिल्लाया. "बहुत ठंड है!"

माँ ने मुझे अपने आगे रसोई में धकेल दिया, और फिर दरवाजा तेज़ आवाज़ के साथ हमारे पीछे धम्म से बंद हुआ.

दर्जन भर आँखें ठंडी रसोई में हमें घूरती रहीं.

वहां एक विशाल भट्टी थी जहाँ तांबे के बर्तन, कढ़ाई और भगोने, मृत खरगोश और बत्तखें एक-साथ लटके थे. उस भट्टी की दयनीय आग पर एक काले बर्तन में थोड़ा सा दलिया पक रहा था.

एक आदमी ने बर्तन को आग पर से उठाया और उसे मेज पर रख दिया.

.

नौकरों ने बर्तन एक-दूसरे को दिया और उसमें से पानी जैसा पतला दलिया खाया. उन्होंने उसे चुपचाप खाया

एक आदमी मुझे घूरने लगा. उतना मोटा आदमी मैंने पहले कभी नहीं देखा था. उसके चेहरे पर मांस की सिलवटों ने उसकी छोटी, आँखों को लगभग छिपा दिया था और उसकी गर्दन एक बैल जैसी थी. जब वो मुस्कुराया, तो उसके दांत पीले-हरे और टूटे हुए थे. उसके चिकने एप्रन से उसकी सांस जितनी की बुरी बदबू आ रही थी. उसने अपने सख्त हाथ से मेरी ठुड्डी को उठाया और मेरे सिर को झुकाया. "तो, तुम हो रसोई की नई नौकरानी?"

"यह एलेनोर है - ऐली," मेरी माँ ने कहा. "ज़रा बावर्ची ऐली से नमस्ते कहो."

"हैलो कुक, ऐली."

लकड़ी के चम्मचों की आवाज़ अब बंद हो गई. मेज पर मौजूद बारह नौकरों ने अपनी साँस रोककर रखी. कुक की आँखें उसके गुर्राने में गायब हो गयीं. फिर वो मुस्कुराया.

"एक जीवंत लड़की, वाह! इन निकम्मे, बर्बाद नौकरों के बाद यह एक अच्छा बदलाव होगा!" उसने कहा और फिर से खाना खाने वाले नौकरों को देखा जिन्होंने अब दुबारा खाना शुरू कर दिया.

उसने मेरी माँ की तरफ सिर हिलाया. "उसे मेरे पास छोड़ दो. मैं उसकी देखभाल करूंगा."

माँ ने मेरे फटे-पुराने कपड़ों की गठरी छोड़ दी और वो तेज़ी से दरवाजे से बाहर चली गईं. जब उन्होंने दरवाज़ा इसे खोला तब वो चिंतित दिखीं.

"दरवाजा बंद करो!" कोई चिल्लाया. "बड़ी ठंड है!"

माँ ने मुझे छोड़ दिया. एकदम अकेले.

कांपने वाला नौकर

रसोइए ने मेज के चारों ओर देखा. "लैम्बर्ट सिम्नेल," वो चिल्लाया.

एक लड़का अपने पैरों पर उठा. उसके बर्तन में दलिया उतना ही पतला और पीला था.

"हाँ, कुक?" उसने कहा, और फिर वो कांपने लगा.

"युवा ऐली का ध्यान रखो. उसे सोने की जगह दिखाओ. उसे क्या-क्या करना है सब काम बताओ."

"हाँ, कुक."

लड़का अपने कटोरे को प्यार से देखता रहा. फिर वो अपनी बेंच से उठकर मेरी ओर एक केकड़े की तरह बढ़ा. जैसे ही वो कुक को पास से गुज़रा, मोटे कुक ने उसे चांटा मारने की कोशिश की पर लैम्बर्ट ने उसे चकमा दिया.

"उसने कुछ नहीं किया!" मैं चिल्लाई.

कुक ने अपना मोटा चेहरा मेरी ओर घुमाया. उसके होंठ पीछे मुड़े और उसे हरे दांत को दिखाई दिए.

"लैंबर्ट एक दुष्ट लड़का है! क्यों ठीक है न लैम्बर्ट?"

"हाँ, कुक."

"पर आप उसे इस तरह से मार नहीं सकते!" मैंने कहा. अब उस ठंडी रसोई में मेरा चेहरा गर्म था.

"नहीं," कुक ने धीरे से कहा. फिर एक गंदी उंगली की नोक मुझे अपने कंधे पर महसूस हुई, और साथ में एक बदबूदार सांस भी.

"उसकी गर्दन के पीछे एक कुल्हाड़ी से वार किया जाना चाहिए!"

अचानक, उसने एक मेज से मांस काटने वाली कुल्हाड़ी उठाई और वो हवा में हिलाई. "उसका क़त्ल होना चाहिए. क्या यह ठीक नहीं है, लैम्बर्ट?"

"हाँ, कुक," दुखी लड़का बड़बड़ाया.

"अच्छा अब इस लड़की को अस्तबल के ऊपर वाले कमरे में ले जाओ और उसे उसकी सोने की जगह दिखाओ."

लैम्बर्ट ने सिर हिलाया. उसने मुझे एक विचित्र मुस्कान दी, मेरी गठरी उठाई, और अपने पीछे चलने को कहा. जब मैं दरवाजे पर रुकी तो मैंने एक नौकर को लैम्बर्ट का दलिया अपने कटोरे को खाली करते हुए देखा.

पुआल

"क्या मुझे यहाँ सोना होगा?" मैंने लैम्बर्ट से पूछा.

उसने अपना सिर हिलाया और मेरी गठरी पुआल के ढेर पर गिरा दी.

"पुआल पर सोना," उसने कहा. "और ओढ़ने के लिए कंबल इस्तेमाल करना. क्योंकि यह कमरा घोड़ों के एकदम ऊपर है इसलिए यहाँ कुछ गर्मी है."

मैं अपने बिस्तर को घूर रही थी. "तभी पुआल रेंगने लगा," मैं फुसफुसाई.

लैम्बर्ट हँसा. "वो सिर्फ एक चूहा होगा. मेरा एक विशेष चूहा मित्र है," उसने कहा.

अचानक वो सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ा और उसने नीचे देखा. "यहाँ लोग दरवाजों पर बातें सुनते हैं, क्या तुम्हें पता है?" उसने मेरी ओर देखा. "मैं अपने चूहे को हेनरी बुलाता हूं. राजा के नाम पर!"

"अगर राजा को यह पता चला तो," मैंने कहा ..

"राजा सब से बड़ा चूहा है," उसने जंगली अंदाज़ में कहा. "महल में हरेक की हालत इतनी दयनीय क्यों है, आपको क्या लगता है? क्योंकि राजा इतना मतलबी है. हम सबको सस्ता और बेकार खाना मिलता है."

यहां तक कि उनकी पत्नी, महारानी एलिजाबेथ को भी, अपने कपड़ों पर पैबंद लगाने पड़ते हैं. रानी के जूतों में टीन के बक्कल लगे हैं जो चांदी के होने चाहिए थे! "

"पर कुक तो काफी मोटा लग रहा था," मैंने कहा.

लैम्बर्ट तेज़ी से सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ा फिर वापस आया. “वो राजा का भोजन चुराता है."

"अगर हमने ऐसा किया, तो हमें मार पड़ेगी. लेकिन कुक के पास पैंट्री (भंडार) की चाबी है.”

मैं पुआल पर बैठ गई. लैंबर्ट सही था. पुआल काफी गर्म था.

"कुक ने तुम्हें दुष्ट क्यों कहा?"

लैम्बर्ट तीसरी बार सीढ़ियों के ऊपर चढ़ा और फिर नीचे उतरा. वह जल्दी से बोला. "राजा हेनरी ने इंग्लैंड का ताज चुरा लिया. असली राजा, प्रिंस एडवर्ड को ही होना चाहिए था, लेकिन उन्हें राजा हेनरी ट्यूडर ने लंदन की मीनार में बंद कर दिया गया."

"मैंने यह कहानी सुनी है. क्या वो अभी भी वहाँ बंद हैं?"

लैम्बर्ट ने अपना सिर इतनी तेज़ी से हिलाया कि मुझे लगा कि वो पुआल पर गिर जाएगा.

"एडवर्ड बच निकला!" वो चिल्लाया.

"तुम यह कैसे जानते हो, लैम्बर्ट?" मैंने धीमे से पूछा.

"क्योंकि वो मैं ही हूँ! मैं ही राजा एडवर्ड हूं, अर्ल ऑफ वारविक. मैं ही इंग्लैंड का असली राजा हूं!"

आधी रात की बैठक

उस दिन, मैंने रसोई की नौकरानी के रूप में अपने काम के बारे में सीखा. मैं पतीलों और बर्तनों को रेत से मांझती थी और फर्श बुहारती थी. मैं रोटी के आटे को तब तक गूंथती थी जब तक मेरे कंधे दर्द से सुन्न नहीं हो जाते थे. मुझे बाल्टी भर-भर कर पानी ढोना पड़ता था जिससे मेरे कंधे दुखने लगते थे.

दोपहर के भोजन में हमने रोटी और पनीर खाया, लेकिन कुक ने हमारे साथ नहीं खाया. वह दो घंटे के लिए पेंट्री (भंडार) में गायब हो गया और जब वो वापिस लौटा तो खाना उसकी ठुड्डी से नीचे टपक रहा था और उसे नींद आ रही थी. फिर राजा और उसके दरबार के लिए शाम का भोजन बनाने का समय था.

कुक ने गहरी सांस लेते हुए मुझ से कहा. "अगर तुमने कड़ी मेहनत की तो फिर तुम एक दिन खाना खिलाने वाली नौकरानी बन सकती हो और तब राजा को देख सकती हो."

एक दिन.

पर मैंने राजा को जल्द ही देखा. उस रात मैं ग्यारह अपने पुआल पर लेटकर सो गई. कुछ देर मैं जगी रही और मैंने आधी रात की घंटी सुनी.

तभी गार्ड मुझे लेने के लिए आए. वे चुपचाप एक लालटेन लेकर आए जिसने बमुश्किल कुछ रोशनी पैदा की.

उनमें से एक लम्बे आदमी ने अपने हाथ से मेरा मुंह बंद किया. वो इस बात का संकेत था कि मुझे कोई आवाज़ नहीं करनी चाहिए.

जब मैं सीढ़ियों से नीचे आंगन में उतरी तो नीचे स्थित घोड़े हिनहिना रहे थे.

हम रसोई में घुसे जहाँ की हवा बासी भोजन और धुएँ की दुर्गंध से भरी थी. गार्ड, लालटेन की मदद से मुझे ऊपर सीढ़ियों पर ले गया.

मैं इतनी थक गई थी कि मैं बड़ी मुश्किल से खुद को खींच रही थी. अंत में हम बड़े दरवाजे पर आए जो महान हॉल में जाकर खुला.

कमरे में एक अलाव जल रहा था जो कमरा गर्म करने के साथ रोशनी भी दे रहा था. ऊंचा, नक्काशीदार सिंहासन अब खाली था. लेकिन अपना ड्रेसिंग गाउन पहने एक व्यक्ति आग के सामने बैठा था और वो अपनी पतली-सी मुस्कान बिखेरते हुए मुस्कुराया.

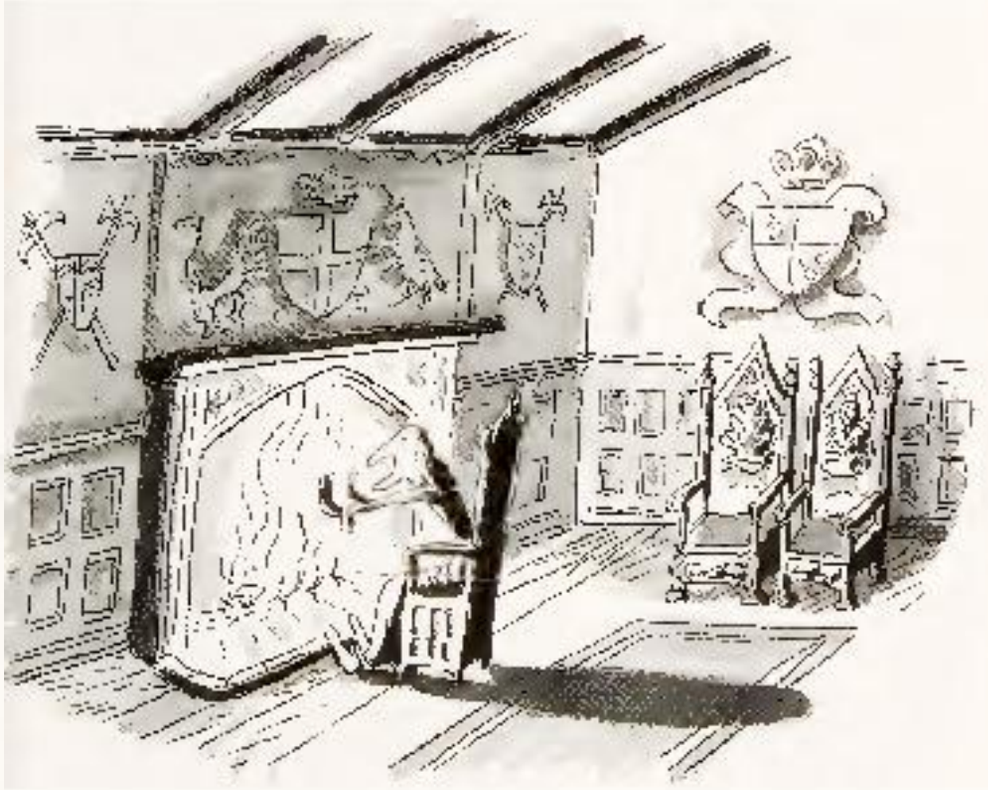

ऊंचा गार्ड पहली बार बोला. "महाराज! हम उस लड़की को लाए हैं."

फिर उस आदमी ने अपना हाथ लहराया और गार्ड को जाने का इशारा किया. फिर वो मुझ पर मुस्कुराया.

उसके दांत सड़ने के कारण थोड़े काले थे. वो एक सुखद मुस्कान नहीं थी. "एलीनोर आओ, और अपने आप को गर्म करो."

मैंने इंग्लैंड के राजा हेनरी सप्तम, हेनरी ट्यूडर के सम्मान में झुकी. "शुक्रिया महाराज," मैंने विनम्रतापूर्वक कहा.

फिर वो एक छोटी हंसी हंसे. "एलेनोर, मेरी सबसे प्यारी भतीजी. तुम्हें मुझे चाचा हेनरी बुलाओ!"

चालाक राजा

"रसोई में तुम्हारा काम कैसा था?" राजा हेनरी ने पूछा.

"उस काम ने मुझे लगभग मार डाला!" मैं कराह उठी. अलाव के पास एक बेंच पर बैठते समय मैं थकी थी और जम्हाई ले रही थी.

उन्होंने सहमति में अपना सिर हिलाया. "लेकिन यहाँ किसी को भी तुम पर शक नहीं है? सभी का मानना है कि तुम सिर्फ एक सामान्य नौकरानी हो?"

"हाँ, चाचा, हमने उन्हें बेवकूफ बनाया है," मैंने कहा. "कोई भी अनुमान नहीं लगा सकता कि मैं वेल्स में पेम्ब्रोक की लेडी एलेनोर ट्यूडर हूं."

"बहुत अच्छा," उन्होंने आग के सामने हाथ रगड़ते हुए कहा. "फिर तुम एकदम सही जासूस हो. हम ट्यूडर्स को एक-साथ रहना चाहिए."

मैं अपने परिवार के बाहर किसी पर भरोसा नहीं कर सकता. तुम जानती हो कि ऐसे हजारों लोग हैं जो मुझे मरा हुआ देखना चाहते हैं, एक बत्तख की तरह मृत! "

फिर बादशाह ने अपने गाउन के फर वाले कॉलर को सहलाया. असल में वो एक छोटा भूरा बंदर था. उसने मुझे देखा, फिर वो सोने चला गया. "हर जगह विद्रोही और गद्दार हैं."

"हाँ, चाचा, मुझे पता है," मैंने कहा.

मां ने मुझे खतरे के बारे में बताया था. अगर हेनरी ट्यूडर सिंहासन हार गया, तो वेल्स में हमारे परिवार को भी नुकसान होगा. फिर वे हमें भी मार सकते हैं जैसे उन्होंने टॉवर में राजकुमारों को मारा था.

"क्या तुम लैम्बर्ट 'सिंपल' सिम्नेल से मिली हो?"

"हाँ, चाचा."

"क्या तुम्हारी माँ ने तुम्हें उसके बारे में बताया?"

"हाँ, चाचा. लैम्बर्ट कहता है कि वो प्रिंस एडवर्ड है, लेकिन असल में वह ऑक्सफोर्ड के एक वाद्ययंत्र-निर्माता का बेटा हैं," मैंने कहा. "असली प्रिंस एडवर्ड अभी भी लंदन की टॉवर में बंद है."

राजा ने अपनी लंबी ठुड्डी पर हाथ फेरा. "उसका चेहरा प्रिंस एडवर्ड से थोड़ा मिलता-जुलता है. मुसीबत यह है कि, मेरे दुश्मनों ने लैम्बर्ट के सिर पर ताज रखा है और मुझे मारने के लिए उन्होंने आयरलैंड से एक सेना भेजी!"

"लेकिन आपने लड़ाई जीत ली और लैम्बर्ट को पकड़ लिया. आपने यह दिखाने के लिए आप कितने दयालु राजा हैं उसे एक किचन बॉय बनाया."

"मैंने किया! अभी भी ऐसे लोग हैं जो सोचते हैं कि सिंपल सिम्नेल मेरा सिंहासन छीन सकता है. केवल एक ही व्यक्ति है जो यह पक्का जानता है कि रसोई में वो लड़का वास्तव में कौन है ... और वो रसोई वाला लड़का है!"

मेरे अंकल बहुत गुस्से में जिससे कि उनके कंधे का बंदर हिलने-डुलने लगा.

"अब वो बहुत डर गया है, इसलिए वो कहता है कि वह एडवर्ड नहीं है. पहले वो था - अब वो नहीं है. सच क्या है?"

"मैं आपके लिए सच पता लगाऊंगी, चाचा," मैंने वादा किया. "अगर वो सच में राजा है तो फिर आप क्या करेंगे?"

चाचा हेनरी ने आश्चर्य में अपनी आँखें झपकीं. "क्यों, हम उसे मार देंगे, बिल्कुल!"

क्रूर कुक

मैंने रसोई में इतना काम किया कि मेरी उंगलियां से खून निकलने लगा और मेरे नाखून टूट गए.

जब मैं मांस को आग पर भूनती तो मेरी गोरी त्वचा भूरी पड़ जाती थी और मेरे नंगे पैर गंदगी से काले हो जाते थे.

जब मैं वेल्स में घर वापिस जाऊंगी तो मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि वहां मेरे नौकरों का जीवन इससे बेहतर हो.

चौथे दिन, मैं कुएँ से पानी की एक चमड़े की बाल्टी लाने के लिए संघर्ष कर रही थी.

मोटे कुक ने मुझे जल्दी करने को उकसाया और मेरी पीठ पर अपना बूट मारा. उससे मुझे ठोकर लगी और पानी गिर गया.

"बेवकूफ लड़की," वो गुस्से में चिल्लाया. "तुम्हें इस काम को दुबारा करना होगा!"

मैंने आह भरीं, खाली बाल्टी उठाई और वापस कुएँ पर गई. लैम्बर्ट ने मुझे बाल्टी दरवाजे तक ले जाने में मदद की.

"वो बहुत अत्याचारी है," लैम्बर्ट ने कहा.

"तब मुझे उसे सबक सिखाना ही होगा," मैंने कहा.

लैम्बर्ट ने रुक कर मुझे गौर से देखा. "तुम एक रसोई की नौकरानी हो - तुम भला क्या कर सकती हो?"

मैं लगभग चिल्लाई, "राजा मेरे चाचा हैं, और मैं कुक को उसकी ही मांस की कुल्हाड़ी से मरवा सकती हूं!" लेकिन मुझे अपना राज़ गुप्त रखना था. लैम्बर्ट से सच्चाई जानने के लिए मुझे अभी भी उसे मूर्ख बनाना पड़ेगा. मैंने कहा, "क्या भंडार घर में कुछ पीले रंग की पत्तियां हैं, क्यों?"

लैम्बर्ट ने सिर हिलाया.

"क्या हम उसमें से कुछ ले सकते हैं?"

"भंडार घर में कुक ने ताला लगाया है," उसने कहा, "लेकिन मैं वो बंद दरवाजा खोल सकता हूं."

मैं मुस्कुराई. "तुमने यह कैसे सीखा?"

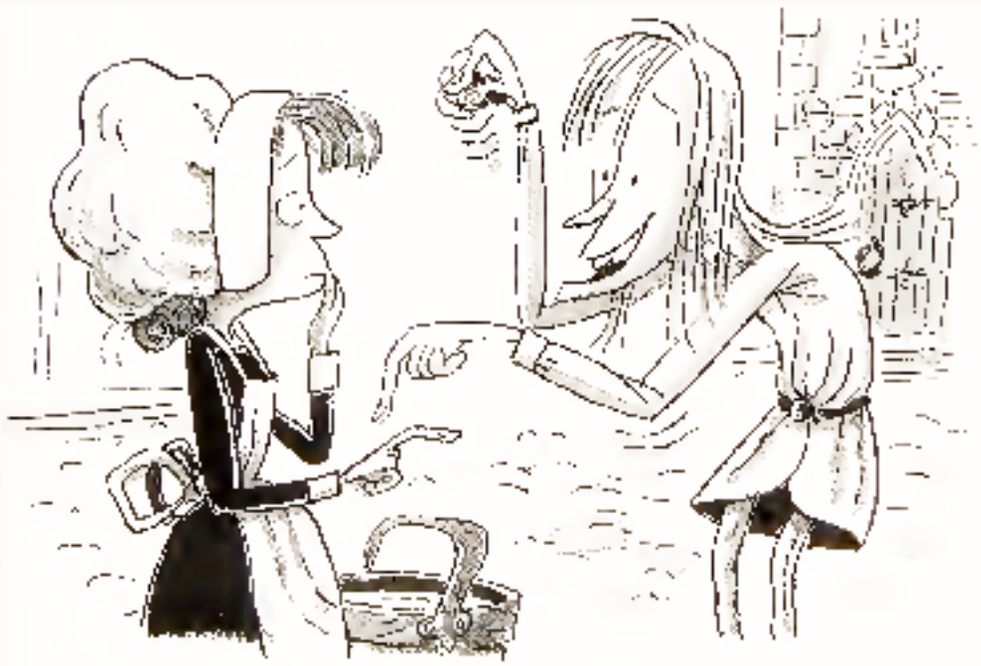

"मेरे पिता ने ऑक्सफोर्ड में वाद्य-यंत्र बनाते थे, और मैं उनके ढक्कनों पर ताले फिट करता था. मुझे तालों के बारे में सब कुछ पता है."

मैं ठंडे मैदान में रुकी. "मुझे लगा कि तुम्हारे पिता ड्यूक ऑफ़ क्लेरेंस थे और तुम ही असली सच्चे राजा हो?"

लैम्बर्ट हँसा. "यह सही है. लेकिन जब मैं एक बच्चा था, मुझे मुझे बदल दिया गया था जिससे दुश्मन मेरी हत्या न करें. फिर वाद्य-यंत्र निर्माता के बेटे को, एडवर्ड के रूप में बड़ा किया गया ... और मुझे वाद्य-यंत्र निर्माता के बेटे के रूप में बड़ा किया गया था! मैं अभी भी उन्हें अपने पिता के रूप में मानता हूँ.

विद्रोही जानते थे कि - लेकिन वे युद्ध में मारे गए.

"लेकिन क्या चाचा... किंग हेनरी को वो पता होगा?"

"नहीं! अगर उन्हें वो पता होता तो वो मुझे कब का मार डालते. मैं सरल ज़रूर हूँ - लेकिन मैं पागल नहीं हूँ. असली सच्चाई किसी को भी नहीं पता है," वो हँसा.

"मुझे छोड़कर," मैंने कहा.

"सिवाए तुम्हारे - और तुम राजा को यह बात बताने वाली नहीं हो, क्यों?"

ऐली का बदला

रसोई शांत थी. सभी नौकर खुले मुंह हमें देखते रहे.

कुक ने दोपहर के भोजन के लिए खुद को भंडार (पैंट्री) में बंद कर लिया था. मैंने अपने कान दरवाजे पर लगाए और उसकी खर्राटे सुनीं. मैं एक तरफ खड़ी हो गई और लैम्बर्ट को अपने चाकू से ताले पर काम करने दिया.

कुछ ही पलों में ताला खुल गया.

चमड़े का कब्ज़ा चरमराया. मैंने दरवाजे के अंदर चारों ओर झाँका. कुक खर्राटे भर रहा था. एक शराब का प्याला उसके पास वाली बेंच पर पड़ा था.

भंडार (पैंट्री) मीट और पेस्ट्री, चीज और ब्रेड, वाइन, शहद और जड़ी-बूटियों से भरी पड़ी थी. वो सब एक खजाने की तरह था. मैंने एक बड़ा पनीर नौकरों को दिया. वे जल्दबाजी में एक कोने में गए और कुक के जागने से पहले ही उसे काटकर खा गए.

पीली पत्तियों के पत्थर के मर्तबान को शेल्फ से उठाते हुए वो रगड़ा और उससे आवाज़ आई. कुक थोड़ा हिला-डुला. उसने सूँघा. उसे डकार आई. वो अपनी नींद में मुस्कुराया.

मैंने अपने हाथों के बीच में पीली पत्तियों को रगड़ा और उसके पाउडर को उसके शराब के प्याले में गिरा दिया.

लैम्बर्ट ने हांफ दिया. "लेकिन ..."

"चुप!!"

मैंने कप में और पाउडर डाला.

"लेकिन वो ..."

"चुप!!"

मैंने खाली जार को वापस शेल्फ पर रख दिया. हम पैंट्री से बाहर निकले और लैम्बर्ट ने दरवाजा बंद कर दिया.

हमने प्रतीक्षा की.

एक घंटे बाद कुक बाहर आया. उसका लाल-चेहरा तमतमा रहा था और वो चिल्लाकर आदेश दे रहा था. हम रसोई घर में चूहों की तरह इधर-उधर भागते रहे और शाही परिवार और उनके मेहमानों के लिए खाना बनाते रहे.

राजा हेनरी अपने धन-दौलत को लेकर कंजूस था, लेकिन जब मेहमान आते तो वो हमेशा एक अच्छी दावत देता था. हमने भिन्न-भिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन बनाए और गुलाब के स्वाद वाले कस्टर्ड-कप बनाए. छह बज गए. रात का खाना परोसा जाने के लिए तैयार था.

कुक ने अपनी चर्बी वाले पेट को जकड़ कर पकड़ा - उस पीले पाउडर ने अब अपना काम करना शुरू कर दिया था.

लैम्बर्ट ने घबराकर अपनी एक अंगुली को चबाया. "पीली पत्तियां उसे शौचालय जाने के लिए मज़बूर करेंगी," वो फुसफुसाया.

"हाँ, कुक को बहुत जल्द ही शौचालय की आवश्यकता होगी - और लंबे समय तक," मैंने कहा . "उसने मुझे लात मारी. और यह मेरा बदला होगा."

कुक ने अपने पेट को रगड़ा और मुस्कुराने की कोशिश की.

"एक राजा के लिए यह एक फिट दावत है!" वो चिल्लाया. "मैं परोसते समय सबका लीडर बनूँगा," उसने खाना परोसते हुए नौकरों से कहा. "फिर किंग हेनरी मुझ से कहेंगे कि मैं कितना महान हूं!" फिर उसका ध्यान हम पर गया. "तुम लोग यहां रहो और सफाई पर लगो या नहीं तो मैं तुम्हें चाबुक से मारूंगा!"

लेकिन जब वो बड़े हाल में गया, तो हमने उस जुलूस का पीछा किया.

शौचालय

लैम्बर्ट और मैंने दरवाजे में एक झिरी में से झाँक कर देखा. चाचा हेनरी, फ्रांस के अपने मेहमानों के साथ टेबल की सबसे सामने वाली कुर्सी पर बैठे थे. पूरी मेज़ सोने और चांदी और रत्नों से सजी थी जैसी मैं अपने घर पर छोड़कर आई थी.

क्योंकि अब मुझे लैम्बर्ट का रहस्य पता था, इसलिए अब मैं बहुत जल्द ही वेल्स वापिस जा सकती थी.
लेकिन उससे पहले मुझे कुक को ठिकाने लगाना था. .
"माई लार्ड!" कुक चिल्लाया.

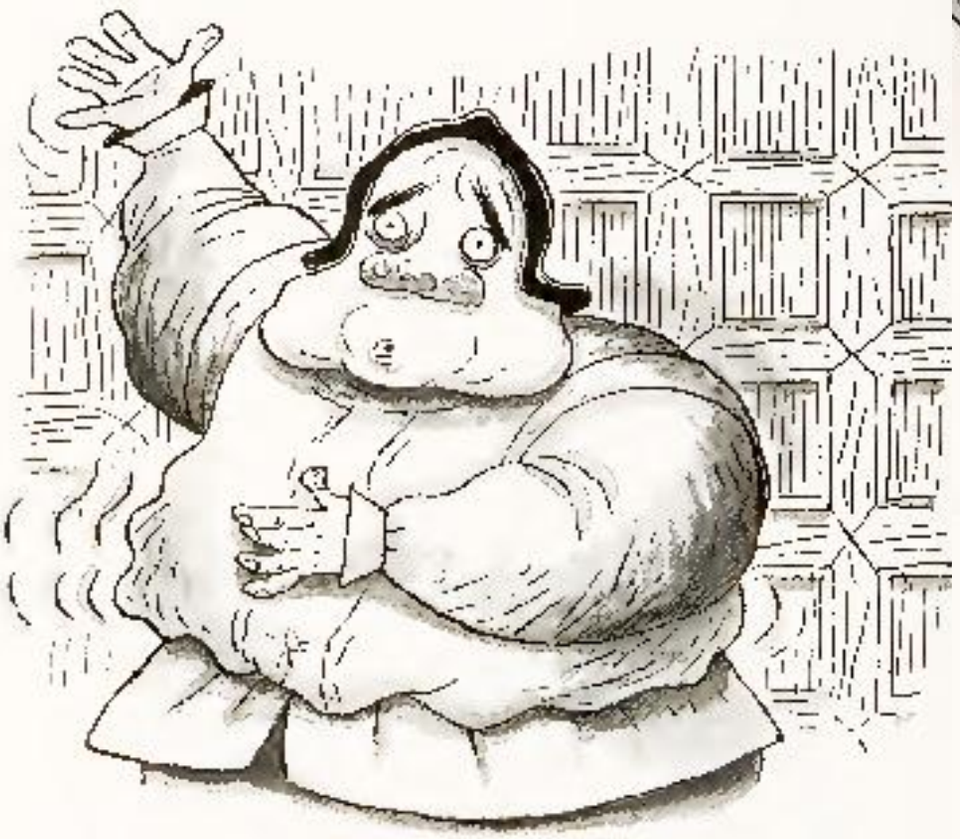

महान हॉल में सन्नाटा छा गया. अचानक एक प्लेट से जेली की तरह कुक के चेहरे की मुस्कान फिसल गई. उसने अपने पेट को पकड़ा और मुझे अब तक सुनाई देने वाली सबसे तेज और सबसे घृणित आवाज बाहर निकाली.

फट, फट, फटाक!

"क्षमा करें, महाराज!" उसने अपनी बात को दोहराया.

फट, फट, फटाक!

"ओह, मुझे तुरंत शौचालय की ज़रूरत है!" वह रोया और हॉल के किनारे वाले दरवाजे पर पहुंचा.

"वहाँ नहीं!" चाचा हेनरी चिल्लाए.

लेकिन बहुत देर हो गई. कुक ने शौचालय के दरवाज़े को तोड़ डाला.

शौचालय में उस समय रानी मौजूद थी. वो चीख पड़ी, "मदद करो, गार्ड! तुरंत मदद करो!"

पहरेदारों ने अपनी तलवारें खींचीं और वे कुक को पकड़ने के लिए दौड़े. वो मुख्य दरवाजे की ओर भागा जहाँ हम छिपे थे.

"मुझे अभी तक गिरफ्तार मत करो!" वो चिल्लाया. जब वह हमारे पास से गुज़रा तो वो उससे एक सड़े नाले जैसी बदबू आ रही थी.

"मुझे शौचालय जाना है!"

कुक वैसे मोटा था लेकिन वो एक तेज़ कुत्ते की तरह दौड़ा. पहरेदार भी उसके पीछे भागे. जब कुक पश्चिम टॉवर वाले शौचालय के दरवाजे पर पहुंचा तब पहरेदारों ने उसे पकड़ लिया.

"प्लीज! प्लीज! प्लीज ...

फट, फट, फटाक!

बस मुझे जाने दो ...फट, फट, फटाक! "शौचालय."

पहरेदारों ने उसे पकड़ लिया और खींचकर कालकोठरी की ओर ले गए.

"अरे नहीं! नहीं! नहीं!" कुक चिल्लाया. "अब देखो तुमने मुझे क्या करने के लिए मज़बूर किया ..."

कुक को देखने का मेरा यह आखिरी मौका था. बेशक, मैं बहुत ज्यादा समय के लिए वहां नहीं रही. जेल से रिहा होने के बाद कुक को निकाल दिया जाएगा. मैं बहुत खुश थी कि लैम्बर्ट और बाकी नौकर अपने नए रसोइए के साथ कितने खुश थे. फिर मैंने लैंबर्ट सिम्नेल "गद्दार" से अलविदा कहा.

"अब जब कि कुक चला गया है, तो मैं बहुत खुश हूँ, ऐली," लैम्बर्ट ने कहा.

"क्या तुम एक राजकुमार जैसे खुश हो?" मैंने पूछा.

"खुश," वह हँसा.

मैंने लैम्बर्ट को यह कभी नहीं बताया कि मैं ट्यूडर थी - उसकी सबसे घातक दुश्मन.

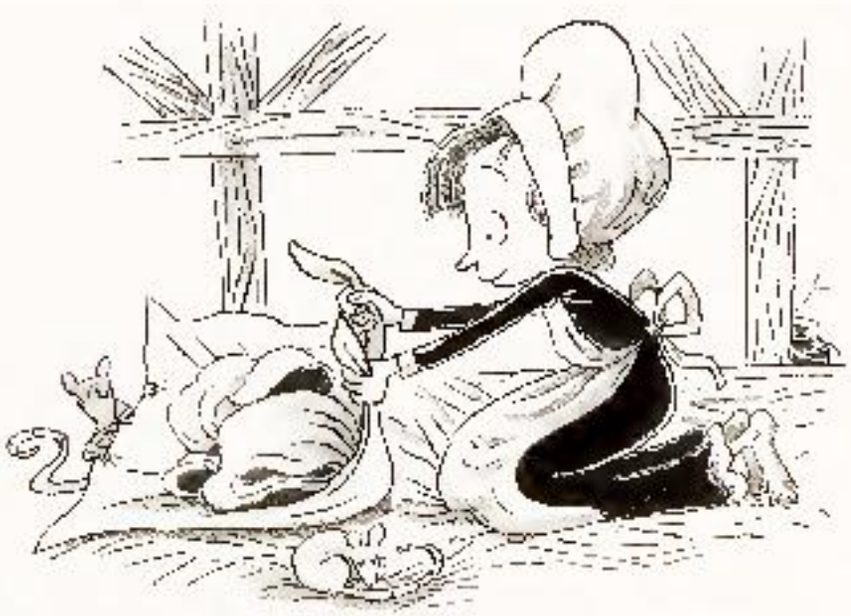

उस शाम, मैं अपने कमरे में गई और मैंने अपने कपड़ों का बंडल पैक किया.

मैं अब गर्म पानी से स्नान, मेरा अपना बिस्तर, और अपना वेल्श घर चाहती थी. लेकिन मेरे जाने से पहले, मुझे चाचा हेनरी को लैम्बर्ट सिम्नेल के बारे में सच्चाई बतानी थी.

भयानक सत्य

आधी रात को गार्ड मुझे लेने के लिए आए.

"ठीक है, एलेनोर? क्या तुम सच जान पाईं?" मेरे चाचा ने मुझे आग के सामने बैठने के लिए कहा. बंदर ने अपना सिर घुमाया मानो वो मेरे जवाब का इंतजार कर रहा हो.

"मुझे सच पता है," मैंने कहा.

"क्या लड़का लैम्बर्ट सिम्नेल है या वो प्रिंस एडवर्ड है?" चाचा ने पूछा.

"क्या आपके जल्लाद की कुल्हाड़ी तेज है?" मैंने पूछा. अंकल ने उसके पतले होंठों को चाटा.

"हाँ, एकदम तेज़ है."

मैं मुस्कराई. "पर लैम्बर्ट सिम्नेल को इसकी आवश्यकता नहीं होगी.... लैम्बर्ट सिम्नेल के पिता ऑक्सफोर्ड में एक वाद्ययंत्र निर्माता थे."

"ठीक है? मैंने सच ही कहा था, क्यों?

"वो एक साधारण लड़का है," मैंने कहा.

"धन्यवाद, एलेनोर. अब वो लड़का जीवित रह सकता है. दुनिया देख सकती है कि हम ट्यूडर दृढ़ हैं, लेकिन निष्पक्ष भी हैं," उन्होंने कहा.

मैंने कालकोठरी में कुक के बारे में सोचा. "हाँ, चाचा हेनरी. दुनिया देख सकती है कि यह ट्यूडर के साथ उलझने से कोई फायदा नहीं होगा."

लैम्बर्ट की कहानी

राजकुमार, कुक और चालाक राजा - इंग्लैंड में ट्यूडर काल में वास्तविक लोगों और घटनाओं पर आधारित एक कहानी है.

एडवर्ड, अर्ल ऑफ वारविक, को हेनरी ट्यूडर के बदले में इंग्लैंड के राजा बनना था. इसलिए हेनरी ट्यूडर ने एडवर्ड को लंदन के टॉवर में बंद कर दिया, फिर उसने खुद हेनरी VII का ताज पहना.

हेनरी के दुश्मनों को ऑक्सफोर्ड में, 11 वर्षीय लैम्बर्ट सिम्नेल मिला जो कैद राजकुमार की तरह ही दिखता है. उन्होंने उसे प्रिंस एडवर्ड की तरह अभिनय करना सिखाया, फिर वे उसे आयरलैंड ले गए जहाँ उन्होंने एक सेना खड़ी की. उन्होंने इंग्लैंड पर आक्रमण करने की योजना बनाई, हेनरी को युद्ध में हराकर उन्होंने लैम्बर्ट को सिंहासन पर बैठाया - हालांकि, वास्तव में उन्होंने ही देश को चलाया.

लेकिन, जब वे 1487 में स्टोक फील्ड की लड़ाई में हेनरी की सेना से मिले, तब उनकी हार हुई. लैम्बर्ट को कैदी बना लिया गया, और हेनरी ने उसे अपने महल की रसोई में काम करने के लिए भेजा.

असली प्रिंस एडवर्ड लंदन के टॉवर में रहा. बारह साल बाद, प्रिंस एडवर्ड को टॉवर से मुक्त करने की साजिश की गई. किंग हेनरी कोई भी चांस नहीं लेना चाहते थे. इसलिए उसने असली एडवर्ड को मरवा डाला.

लैम्बर्ट सिम्नेल एक वफादार नौकर बना और फिर उसे रसोई के काम से मुक्त कर दिया गया. उसने राजा के बाज़ों की देखभाल का काम संभाला.

शायद एडवर्ड और लैम्बर्ट को शिशुओं के रूप में बदल दिया गया. (इंग्लैंड में कई लोग उस समय इस बात को सच मानते थे.)

अगर लैम्बर्ट को सच्चाई पता भी थी फिर भी जैसा कहानी में लिखा है वो चुप रहा. समझदार होने के कारण उसने ट्यूडर के साथ कोई पंगा नहीं लिया!

समाप्त